Original Research Paper

राजस्थान के शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों की बढ़ी हुई संख्या का महाविद्यालय वातावरण, अध्यापन अभिक्षमता का अध्यापन

Dr. Usha Kansal

Principal, Seth Dharam Chand Teachers Training College Raisinghnagar, Distt. Sriganganagar (Raj.)

ABSTRACT

शिक्षक का राष्ट्रीय विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान होता है क्योंकि जैसे शिक्षक होगे वैसा ही उनका राष्ट्र होता है। शिक्षक सभी शैक्षिक कार्यक्रमों की आधारशिला होता है। जिनमें शिक्षक की अध्ययन सम्बन्धी आदतें, अध्यापन अभिक्षमता व उनकी शैक्षणिक उपलब्धि का विद्यार्थियों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अर्थात् शिक्षक काव्यक्तित्व सकारात्मक होगा तो उसके द्वारा तैयार नागरिक भी वैसे ही होंगे अध्यापक अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाने वाला तथा ज्ञान रूपी प्रकाश दिखाकर मानवता के पक्ष में अलौकित करता है। इस प्रकार शिक्षक को देश का सर्वोच्च स्थान प्रदान किया गया है। '' अध्यापक वह मानी होता है जो विद्यालय रूपी बगिया के पौधे ;छात्रद्ध को सींचता है, उनकी काट छांट करता है तथा सब प्रकार से उनकी देखभाल कर उन्हें फलने व योग्य बनाने में अपना योगदान देता है।''

KEYWORDS

शोध के उद्देश्य – प्रस्तुत शोध हेतु शोधकर्ती द्वारा निम्नांकित उद्देश्य निर्धारित किए है।
1. राजस्थान के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के वातावरण का अध्ययन करना।
2. राजस्थान के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षकों की अध्यापन अभिक्षमता का अध्ययन करना।

न्यादर्श– प्रस्तुत शोध में शोधकर्ती द्वारा बीकानेर संभाग, श्रीगंगानगर संभाग व हनुमानगढ़ संभाग के 600 विद्यार्थी व 120 प्राध्यापकों का न्यादर्श लिया गया है।

प्रयुक्त उपकरण– प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ती द्वारा निम्नलिखित उपकरणों का प्रयोग किया जाता है।
1. भौतिक संसाधन व मानवीय संसाधनों की जानकारी हेतु स्वनिर्मित सूची (प्रश्नावली)
2. अध्यापन अभिक्षमता का प्रमापीकृत टैस्ट

परिकल्पनाए
1. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के भौतिक संसाधन समान्य स्तर के है।
2. शिक्षक– प्रशिक्षण महाविद्यालयों के मानवीय संसाधन समान्य स्तर के है।
3. शिक्षक– प्रशिक्षण महाविद्यालयों मेंअध्यापन क्षमता समान्य स्तर की है।

निष्कर्ष

सारणी 4.1

क्र.सं.	समूह	संख्या	स्तर (अंक)			परिणाम
			उच्च	सामान्य	निम्न	
			Above 20	15-20	Below 15	
1.	भौतिक संसाधन	24	3	15	6	सामान्य

उपरोक्त सारणी में शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों के भौतिक संसाधनों सम्बन्धी दत्तों को विश्लेषण करने पर पाया गया कि न्यादर्श में चयनित कुल महाविद्यालयों में से अधिकतम महाविद्यालयों के भौतिक संसाधनों के समान स्तर में पाए गए। अतः परिणामस्वरूप कहा जा सकता है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के भौतिक संसाधन समान्य स्तर के है, अतः परिकल्पना सं. 1 स्वीकृत की जाती है।

सारणी 4.2

क्र.सं.	समूह	संख्या	स्तर (अंक)			परिणाम
			उच्च	सामान्य	निम्न	
			Above 12	7-12	Below 7	
1.	मानवीय संसाधन	24	0	18	6	सामान्य

उपरोक्त सारणी में शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों के मानवीय संसाधनों सम्बन्धी दत्तों को विश्लेषण करने पर पाया गया कि न्यादर्श में चयनित कुल महाविद्यालयों में से अधिकतम महाविद्यालयों के मानवीय संसाधनों के समान स्तर में पाए गए। अतः परिणामस्वरूप कहा जा सकता है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के मानवीय संसाधन समान्य स्तर के है, अतः परिकल्पना सं. 2 स्वीकृत की जाती है।

सारणी 4.3

क्र.सं.	समूह	संख्या	स्तर (अंक)			परिणाम
			उच्च	सामान्य	निम्न	
			Above 95	76-65	Below 76	
1.	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी	720	165	314	241	सामान्य

उपरोक्त सारणी में शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अध्यापन अभिक्षमता के स्तर सम्बन्धी दत्तों को विश्लेषण करने पर पाया गया कि न्यादर्श में चयनित कुल महाविद्यालयों में से अधिकतम महाविद्यालयों के अध्यापन अभिक्षमता के स्तर में पाए गए। अतः परिणामस्वरूप कहा जा सकता है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के अध्यापन अभिक्षमता के स्तर सामान्य स्तर के है, अतः परिकल्पना सं. 3 स्वीकृत की जाती है।

सुझाव– प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त परिणामों एवं शोध प्रारंभ करते समय शोधकर्ती के मस्तिष्क में उठे शोध प्रश्नों के सम्बन्ध में निम्नलिखित सुझाव दिए जा सकते है।

1. प्रस्तुत अध्ययन सीमित समय में 24 महाविद्यालयों के 120 प्राध्यापकों एवं 600 विद्यार्थियों पर किया गया है। शोध हो न्यादर्श की संख्या को बढ़ाया जा सकता है परिणाम अधिक लाभदायक हो सके।

2. यह अध्ययन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षकों के तुलनात्मक अध्ययन तक सीमित था। इस प्रकार का अध्ययन समस्त महाविद्यालयों के विज्ञान और कला, विज्ञान और वाणिज्य, कला और वाणिज्य के शिक्षकों के मध्य तुलनात्मक रूप में भी किया जा सकता है।

3. भावी अध्ययन अध्यापकों तथा विद्यार्थियों के विमल व्यक्तिगत मूल्यों, आर्थिक मूल्यों व नैतिक मूल्यों का उनकी शैक्षिक गुणवता पर प्रभाव का अध्ययन भी किया जा सकता है।

4. भविष्य में अध्यापन अभिक्षमता व अध्यापन प्रभावयीनता पर व्यक्तित्व के घटकों का प्रभाव पर किया जा सकता है।